

**संपादकीय**

**पारलौकिक जीवन की तलाश का सिलसिला**

खगोल वैज्ञानिकों के एक नये अनुमान के मुताबिक हमारी मिल्की-वे आकाशगंगा में पृथ्वी जैसे ग्रहों की संख्या 6 अब तो है। उनका कहना है कि हमारी आकाशगंगा में 'जी टाइप' के बाहर पाच तारों के साथ एक पृथ्वी जैसा चाहनी ग्रह मौजूद है। खगोल वैज्ञान में जाइपन अग्रणी अपास में जुड़कर हीलियम का निर्माण करते हैं। हमारे ब्रह्मांड में जी टाइप तारों की भरभर है, जिनमें हमारा सूरज भी शामिल है। हमारी आकाशगंगा में 400 अब तारों की मौजूदगी का अनुमान लगाया गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कॉलेजिया के खगोल वैज्ञानिक और इस अध्ययन के सह-लेखक जैसे मैथूज ने कहा कि हमारी आकाशगंगा में 7 प्रतिशत जी टाइप तारों हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि 6 अब तारों के पास पृथ्वी जैसे ग्रह हो सकते हैं।

इस अध्ययन की प्रमुख लेखक मिशेली कुनिमोटो ने कहा कि मेरी गणनाओं के मुताबिक प्रत्येक जी टाइप तारे के इंवर्गिंग पृथ्वी जैसे ग्रहों की ऊपरी सीमा 18.0 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि हम विभिन्न तारों के इंवर्गिंग विभिन्न ग्रहों की मौजूदगी का अनुमान लगाया गया है। निर्माण पर नई रेशनी डाल सकते हैं और बाहरी ग्रह खोजने के लिए भावी मिशनों की तैयारी कर सकते हैं। इस अध्ययन से पहले सूरज जैसे प्रलेक तारों के साथ 0.02 प्रतिशत आवास योग्य ग्रहों की मौजूदगी का अनुमान लगाया गया था। कुनिमोटो की रिसर्च में पृथ्वी जैसे ग्रहों पर मुख्य जोर दिया गया है। उन्होंने अपनी गणना में उन ग्रहों को भी शामिल किया जो आकाश में छोटे और अपने तारों से अधिक दूर होने के कारण पर्यवेक्षित नहीं हो पाए होंगे। ध्यान रहे कि गत मार्च में कूनिमोटो ने केल्टर मिशन द्वारा पर्यवेक्षित दो लाख तारों के डेटा का विश्लेषण करने के बाद 17 बाहरी ग्रह खोजे थे। इनमें एक ग्रह का अभी पृथ्वी जैसा है।

अभी तक 4000 से अधिक बाहरी ग्रहों की पहचान हो चुकी है। इनमें कम से कम 50 ग्रहों के आवास योग्य होने का अनुमान लगाया गया है। आवास योग्य के हिसाब से इनका आकाश सही है और वे अपने तारों की ऐसी कक्षाओं में मौजूद हैं। जहां की परिस्थितियां सही जल के लिए अनुकूल हैं। सेंट्रलिंग दृष्टि से ऐसे ग्रह जीवन योग्य हो सकते हैं। क्या पृथ्वी से बाहर भी जीवन है? यह एक शाश्वत प्रश्न है, जिसका उत्तर खोजना आसान नहीं है। खगोल वैज्ञानिक लंबे समय से इस विषय पर माथा-पच्ची कर रहे हैं। पारलौकिक प्राप्तियों के लेकर अनेक सांस्कृतिक फिल्में बनाए जा चुकी हैं और अनगिनत कथाएं लिखी जा चुकी हैं। एलियंस की उपस्थिति का अभी तक कोई संकेत नहीं मिलने के बावजूद इस विषय में हमारी दिलचस्पी कभी खत्म नहीं होती। कुछ दिन पहले एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने हमारी आकाशगंगा में 36 बुद्धिमान और संचार-संक्षम सभ्यताओं की मौजूदगी का अनुमान लगाया है। लेकिन हजारों प्रकाश वर्ष दूर होने के कारण हम कभी भी यह पता नहीं लगा पाएंगे कि क्या सचमुच ऐसी सभ्यताएं मौजूद हैं या उनकी मौजूदगी सिर्फ एक कथास है।

बुद्धिमान पारलौकिक सभ्यताओं के बारे में पिछले अनुमान ड्रेक इक्केशन पर अधिकार थे। ध्यान रहे कि प्रसिद्ध खगोल वैज्ञानिक और खगोल भौतिकविद फैंक ड्रेक ने 1961 में यह इक्केशन लिखी थी। अब नॉटिंगम यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इस इक्केशन से अलग हटकर अपने तरीके से बुद्धिमान सभ्यताओं की गणना की है। इस अध्ययन के सह-लेखक क्रिस्टोफर कोंसेलिस ने कहा कि ड्रेक इक्केशन और हमारे तरीके में मुख्य फर्क यह है कि हमने जीवन की उत्पत्ति के बारे में बहुत ही सरल अनुमान लगाया है। जीवन की उत्पत्ति वैज्ञानिक ढंग से होती है। यदि सही परिस्थितियां मौजूद हैं तो जीवन उत्पन्न होगा। यदि माना जाए कि पृथ्वी की भौतिकी द्वारा पर बुद्धिमान जीवन को पनपने में पांच अब वर्ष लगे हों तो हमारी आकाशगंगा में कुछ दर्जन सक्रिय सभ्यताएं अवश्य होनी चाहिए। वैज्ञानिकों ने बुद्धिमान सभ्यताओं का अनुमान लगाने के लिए एक खगोल-जैव वैज्ञानिक सिद्धांत विकसित किया है। इसे 'एस्ट्रोबायोलॉजिकल कोपरेनिकन प्रिसिपल' भी कहा जाता है।



'कृष्ण 4' को लेकर चर्चे थे कि ऋत्विक रोशन की इस फिल्म की शूटिंग इस साल उके जन्मदिन के बाद से शुरू की जाएगी, लेकिन जीवनों वायरस के कारण लगे ताले ने फिल्म के काम पर कृष्ण समय के लिए ताला लगा दिया।

रोशन के फैंस के पिता निर्माता, निर्देशक राकेश रोशन सुपर हीरो फैंचाइजी कृष्ण की चौथी शूटिंग इस साल उके जन्मदिन के बाद से शुरू की जाएगी, जिसको इस फिल्म के काम के साथ-साथ आराम से फॉलो कर सकते। इस तरह, आहार के लिए प्रतिवेदन रहना आसान होगा।

जल्दी में मत रहिए- जीवन घटाना एक स्टोरीप्रेसेस है। तेजी से जीवन घटाया जाना बिल्कुल भी असंभव नहीं है। अगर आप जल्दी-जल्दी जीवन घटा भी असंभव नहीं हैं, वह अचानक से बांदर बैक कर सकता है। इसलिए वेट लॉन्स करते समय हमेशा अपना धैर्य बनाए रखें। वार्षिक योग्यता की चर्चे में जीवन घटाना हो सकता है, लेकिन डाइटिंग करना कई लोगों को निश्चय भी देता है। इससे पहले कि आप अपना जीवन कम करने की जरूरी पर निकल जाएं, आप इन काम की बातों का ध्यान

## ट्राई ने एयरटेल, वोडाफोन आईडिया के तेज स्पीड का वादा करने वाले तरजीही प्लान पर रोक लगाई

नवी दिल्ली। दूरसंचार नियमक ट्राई ने भारती एयरटेल और वोडाफोन आईडिया से उन खास दूरसंचार लालों को रोकने के लिए कहा है, जिसके तहत कुछ तरजीही उपयोगकर्ताओं को तेज स्पीड देने का वादा किया गया है। दूरसंचार नियमक के लिए सेवा को ग्राहकों के लिए उपयोगकर्ताओं को तेज स्पीड देने का वादा किया गया है। दूरसंचार नियमक के लिए ग्राहकों की कीमत पर एर्ड है। ट्राई ने परिचालकों से पूछा है कि वे दूसरे समान्य ग्राहकों के हितों की रक्षा करें रहे हैं। इस बारे में संपर्क करने पर एयरटेल के प्रवक्ता ने कहा, 'हम अपने सभी ग्राहकों को लिखा है और उनसे बारे में पूछो पर कहा, "वोडाफोन रेडेक्स प्लान हमारे मूल्यवान पोस्टपेड ग्राहकों के लिए असीमित डेटा, कॉल, प्रीमियम सामग्री, अंतर्राष्ट्रीय रोमिंग पैक सहित कई फायदे देता है। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ नेटवर्क और सेवा मुहूर्या करने के लिए उत्साह देता है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही कंपनी प्रतिबद्ध है।'



लिए कहा है। ट्राई ने इस बारे में दोनों परिचालकों- एयरटेल और वोडाफोन आईडिया को लिखा है और उनसे बारे में पूछो पर कहा,

तरजीही उपयोगकर्ताओं को तेज स्पीड ग्राहकों के लिए सेवा और जबाबदी को बढ़ाना चाहती है। ट्राई ने एयरटेल को जबाबदी में गिरावट आई है। यह जानकारी हाल के एक वैश्विक सर्वेक्षण में सामने आई है। 720 ट्राईसर्क्स दर्जा की जबकि 30 प्रतिशत कंपनियों ने 30-50 प्रतिशत गिरावट दर्जा की। रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्वेक्षण में शामिल लगभग 30 प्रतिशत कंपनियों को लिए ग्राहकों की कीमत पर एर्ड है। ट्राई ने परिचालकों से पूछा है कि वे दूसरे समान्य ग्राहकों के हितों की रक्षा करें रहे हैं। इस बारे में संपर्क करने पर एयरटेल के प्रवक्ता ने कहा, 'हम अपने सभी ग्राहकों को लिखा है और उनसे बारे में पूछो पर कहा,

पोस्ट-पेड ग्राहकों के लिए सेवा और जबाबदी को बढ़ाना चाहती है। ट्राई ने एयरटेल को जबाबदी में गिरावट आई है। यह जानकारी हाल के एक वैश्विक सर्वेक्षण में सामने आई है। 720 ट्राईसर्क्स दर्जा की जबकि 30 प्रतिशत कंपनियों ने 30-50 प्रतिशत गिरावट दर्जा की। रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्वेक्षण में शामिल लगभग 30 प्रतिशत कंपनियों ने रेजस्ट्रेट डेटा, कॉल, प्रीमियम सामग्री, अंतर्राष्ट्रीय रोमिंग पैक सहित कई फायदे देता है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही ग्राहकों को लिए असीमित डेटा, एप्लीकेशन, वॉटर और इंटरनेट के लिए अनुमति देता है। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ और उच्च गति की 4जी डेटा सेवाएं पुर्या करने के लिए प्रतिबद्ध है।

## कोरोना के कारण 77 फीसदी कंपनियों का राजस्व गिरा

नई दिल्ली (आरएनएस)।

कोविड-19 महामारी के मौजूदा संकट के परिणामस्वरूप लगभग 77 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में गिरावट आई है। उनमें से 30 प्रतिशत कंपनियों ने राजस्व में 50 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 70 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 80 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 90 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 95 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 100 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 100 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 105 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 110 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 115 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 120 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 125 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 130 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 135 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 140 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 145 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 150 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 155 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 160 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 165 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 170 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में 175 प्रतिशत कंपनियों के राजस्व में